Dr. Sangita Kumari Saha
B.A D-II (H) IIIrd paper.

Neurasthenia

Anxiety neurosis की तरह Neurasthenia भी एक सामान्य स्नायुविकृति है। इसके रोगियों में निरन्तर शारीरिक थकान की अनुभूति होती है। रोगी सुस्त एवं उदास रहता है। पहले शारीरिक थकान के लक्षणों से युक्त रोगियों को स्नायविक दुर्बलता से पीड़ित समझा जाता था। लेकिन 1880 ई० में नामक अमेरिकी मनोचिकित्सक ने पहली बार न्यूरेस्थीनिया शब्द का उपयोग किया गया। इसके अन्तर्गत शारीरिक थकान, सिर या पीठ का दर्द आदि लक्षणों से युक्त मानसिक रोग आते हैं। इसके रोगियों में थकान, पीड़ा संबंधी लक्षणों का आविर्भाव व्यक्तिगत उलझनपूर्ण समस्याओं के प्रति की जाने वाली संवेगात्मक प्रतिक्रियाओं के कारण होती है। इसके रोगी का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है तथा कोई भी कार्य करने में शीघ्र ही वह थक जाता है जिसके फलस्वरूप कार्य के प्रति उसे अरुचि हो जाती है।

सामान्य थकावट एवं इस रोग की थकावट में मुख्य अन्तर यह पाया गया कि सामान्य थकावट शारीरिक या मानसिक परिश्रम के कारण होती है जबकि Neurasthenia की थकावट बिना पर्याप्त परिश्रम के होती है। इसके अतिरिक्त सामान्य थकान थोड़ा विश्राम कर लेने के बाद दूर हो जाती है किन्तु इस रोग की थकावट पर विश्राम का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। रोगी रातभर आराम से सोने के पश्चात् भी सवेरे उठने के बाद थकावट का अनुभव कर सकता है। तीसरा अन्तर है कि सामान्य थकावट का अनुभव व्यक्ति कभी-कभी करता है लेकिन इसके रोगी के थकावट का अनुभव निरन्तर बना रहता है।

Scanned with CamScanner

Neurasthenia is a form of psychoneurosis in which the principal complaint is tiredness, aches and pain.

Symptoms of Neurasthenia.

(i) Insomania
(ii) Feeling of fatigue
(iii) Feeling of pain and aches.
(iv) Poor digestion
(v) Egocentricity and Selfishness
(vi) Unsatisfactory group life

Scanned with CamScanner